गंगा चौपाल

यूं तो चौपाल का स्वरूप बिल्कुल अनौपचारिक हुआ करता है, लेकिन व्यवस्था की दृष्टि से उद्घाटन, रिपोर्टिंग व समापन सत्रों के अलावा, चौपाल को पांच अलग–अलग समूहों में बांटा जाना प्रस्तावित है. ये समूह विषयवार रहेंगे, और हर समूह में हमें विषय से जुड़ें विशेषज्ञों से खुलकर बात करने का अवसर मिलेगा. ये विषय मोटेतौर पर छांटे गए हैं. इनमें आमराय से संशोधन भी हो सकता है. लेकिन चौपाल की मूलभावना गंगा को समग्रता से देखने की ही होगी, युगानुकूल परिपेक्ष्य में.

गंगा व उसकी संस्कृति

एक पूरी सभ्यता और संस्कृति की प्रवर्तक रही गंगा पुराण, इतिहास, आध्यात्म, भौगोलिक परिवर्तनों, आदि की साक्षी रही है. गंगा–प्रेरित साहित्य, लोक परंपराएं, लोक–कला, गंगत्व के कुछेक आयाम हैं. गंगत्व के इन सभी और अन्य आयामों पर विचार करने के लिए हमारे बीच रहेंगे इतिहासकार, आध्यात्म व संत–परंपरा के जानकार, साहित्यकार, लोक कला के जानकार व समाजशास्त्री.

गंगा व पर्यावरण

गंगा के आसपास के एक बड़े क्षेत्र को इको–सेंसिटिव जोन बनाने की बात बहुत होती है. उसके विभिन्न आयाम क्या हैं. क्या गंगा के ऊपरी इलाकों में बांध निर्माण किसी समस्या का हल है या समस्या को बढ़ाने वाला. बांध निर्माण हमारी जैव–विविधता को कैसे प्रभावित कर रहे हैं, वन–क्षरण, अवैध खनन गंगा को कैसे प्रभावित कर रहा है, नगरीय व औद्योगिक प्रदूषण तथा कृषि–जनित प्रदूषण कैसे गंगा को मैला कर रहे हैं.

गंगा और समाज

गोमुख से लेकर गंगासागर तक करोड़ों लोग गंगा पर आश्रित हैं, उससे सैंकड़ों मील दूर रहने वाले करोड़ों लोग गंगा पर उतनी ही आस्था रखते हैं, उसके घाट के किनारे रहने वाले लोगों से लेकर दूर–दराज से आने वाले कांवरिये और अन्य दर्शनार्थी, कहीं न कहीं गंगा से जुड़े हैं, गंगा किनारे लगे उद्योग गंगा से पानी तो लेते हैं, लेकिन उसे लौटाते हैं प्रदूषित, रसायन–युक्त जल, सरकार से पहले, गंगा के लिए समाज के क्या कर्तव्य बनते हैं, उन पर चर्चा करेंगें, हम सब मिल कर ।

गंगा का विज्ञान

गंगा का अपना एक वैशिष्ट्य है. उसकी भौगोलिक संरचना, उसकी जैव–विविधता, उसका जल–संसार, उसकी सहायक नदियां, ये सब मिल कर गंगा के जल को अमृत समान बनाते हैं. उसमें आने वाले जल का अपना एक अनूठा तंत्र है, जो उसे बाकी सब नदियों से अलग करता है, उसे देश ही नहीं, दुनियाभर में पूजनीय बनाता है. उस विज्ञान को समझना स्वयं में एक अनुभव होगा इस चौपाल में.

गंगा का अर्थशास्त्र

गंगा करोड़ों लोगों की आजीविका को सीधे–सीधे प्रभावित करती है. वे उस पर पूरी तरह निर्भर हैं. कृषक, मछुआरे, मल्लाह, आदि. तीर्थाटन बनाम पर्यटन इस अर्थशास्त्र का एक नया आयाम है. गंगा की अविरलता और निर्मलता के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है, उससे करोड़ों लोगों का अर्थशास्त्र किस तरह से प्रभावित हो रहा है, उस पर चर्चा के लिए हमारे साथ रहेंगे गंगा किनारे के स्टेकहोल्डर्स और उनमें दिलचस्पी रखने वाले अर्थशास्त्री.

गंगा चौपाल

सृजन से विसर्जन तक गंगा हमारे लिए पूजनीय है. चाहे हम उसके किनारे रहते न हों, परंतु हमारे जीवन, हमारी संस्कृति, हमारे पर्यावरण, हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे विज्ञान, हमारे पूरे समाज जीवन को प्रभावित करती है मां गंगा. लेकिन आज इस समाज के कारण ही वह उथल–पुथल के भयानक दौर से गुज़र रही है. वैज्ञानिक अस्त्रों से लैस होकर हम उसका प्रवाह रोक रहे हैं, भौतिकवादी सुखों के लालच में हम गंगा को प्रदूषित कर रहे हैं. आज भी करोड़ों लोगों की आस्था की प्रतीक गंगा, कुछेक लोगों के लिए सिर्फ एक संसाधन होकर रह गई है. शोषण का एक प्रतीक. लेकिन सवाल उसके अस्तित्व का नहीं है, सवाल है, क्या गंगा के बिना हम पल भर भी जी पाएंगे. इन सभी विषयों पर बहुत चर्चा होती है. बहुत से शोध हुए हैं. कई कार्ययोजनाएं बनी हैं. लेकिन आज गंगा को समग्रता से देखने से आवश्यकता है. गोमुख से गंगासागर तक उसके हर पहलू पर एक साथ चर्चा की शुरुआत के लिए हम सब बैठें, उसे अविरल, निर्मल बनाने के लिए भविष्य की रणनीति पर चर्चा करें, इसीलिए आयोजन है गंगा चौपाल का. आप सादर आमंत्रित हैं.

सहभागिता

गंगा किनारे का समाज
गंगा से परोक्ष–अपरोक्ष रूप से जुड़ा समाज
इतिहासकार, साहित्यकार, लोककला विशेषज्ञ नदी, वैज्ञानिक, पर्यावरणविद्,
अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, उद्योगजगत, ऊर्जा विशेषज्ञ, नगर–योजनाकार

कार्यक्रम

शनिवार, २६ नवंबर, २०११
प्रात: ९.३० से सायं ६.०० बजे तक
इस्क न मंदिर, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली के सभागार में

पंजीकरण एवं न्यास	०९३०		
उद्घाटन	१०००	समानांतर तकनीकी सत्र	१४००
समानांतर तकनीकी सत्र	११३०	चाय	१५००
भोजन	१३००	रिपोर्टिंग सत्र सामूहिक)	१५३०
		समारोप	१७००
		चाय	१८००

LOGO

Ganga Chaupal
26th November, 2011
Delhi

RSVP
Priya Malhotra - +91-99909-07372 / Kartik Sapre - +91-94069-04555 / Mayank Singh - +91-98185-55329
Ganga Samagra, 7E, Swami Ram, Tirath Nagar, New Delhi – 110055